इन्द्रियाँ

प्रस्तुतकर्ता -
प्रकाश और पूजा छाबडा, इन्दौर

जैन कौन?

- जिन का भक्त सो जैन
- जिन-आज्ञा को माने सो जैन
- जिनदेव के बताये मार्ग पर चलने वाला ही सच्चा जैन है

जिन क्या होता है ?

- जिसने मोह-राग-द्वेष
- और इन्द्रियों को जीता
- वही भगवान है

इन्द्रियों को क्यों जीतना ?

- क्या वे हमारी शत्रु हैं ?
- वे तो ज्ञान में सहायक हैं

इन्द्रिय किसे कहते हैं?

❁ जो शरीर के चिह्न आत्मा का ज्ञान कराने में सहायक हैं वे ही तो इन्द्रियाँ हैं।

इन्द्रियाँ कितनी हैं ?

पाँच

कौन-कौन सी ?

स्पर्शन इन्द्रिय किसे कहते हैं ?

- जिससे छू जाने पर
- हल्का-भारी, रूखा-चिकना, कड़ा-नरम और ठंडा-गरम का ज्ञान होता है।

रसना इन्द्रिय किसे कहते हैं ?

- जीभ को
- जिससे खट्टा, मीठा, कड़वा, कषायला और चरपरा स्वाद का ज्ञान होता है।

घ्राण इन्द्रिय किसे कहते हैं ?

- नाक को
- जिससे सुगन्ध और दुर्गन्ध का ज्ञान होता है।

चक्षु इन्द्रिय किसे कहते हैं ?

- आँख को
- जिससे काला, नीला, पीला, लाल और सफेद आदि रंगों का ज्ञान होता है।

कर्ण इन्द्रिय किसे कहते हैं ?

- कान को
- जिनसे हम सुनते हैं ,वे ही कर्ण या श्रोत्र इन्द्रिय कहे जाता है।

किस जीव के कितनी इन्द्रिय होती हैं?

जीव	इन्द्रियाँ
एकेन्द्रिय	१-स्पर्शन
द्वीन्द्रिय	२-स्पर्शन, रसना
त्रीन्द्रिय	३-स्पर्शन, रसना, घ्राण
चतुरिन्द्रिय	४-स्पर्शन, रसना, घ्राण, चक्षु
पंचेन्द्रिय	५-स्पर्शन, रसना, घ्राण, चक्षु, कर्ण

एकेन्द्रिय जीव कौन-कौन हैं?

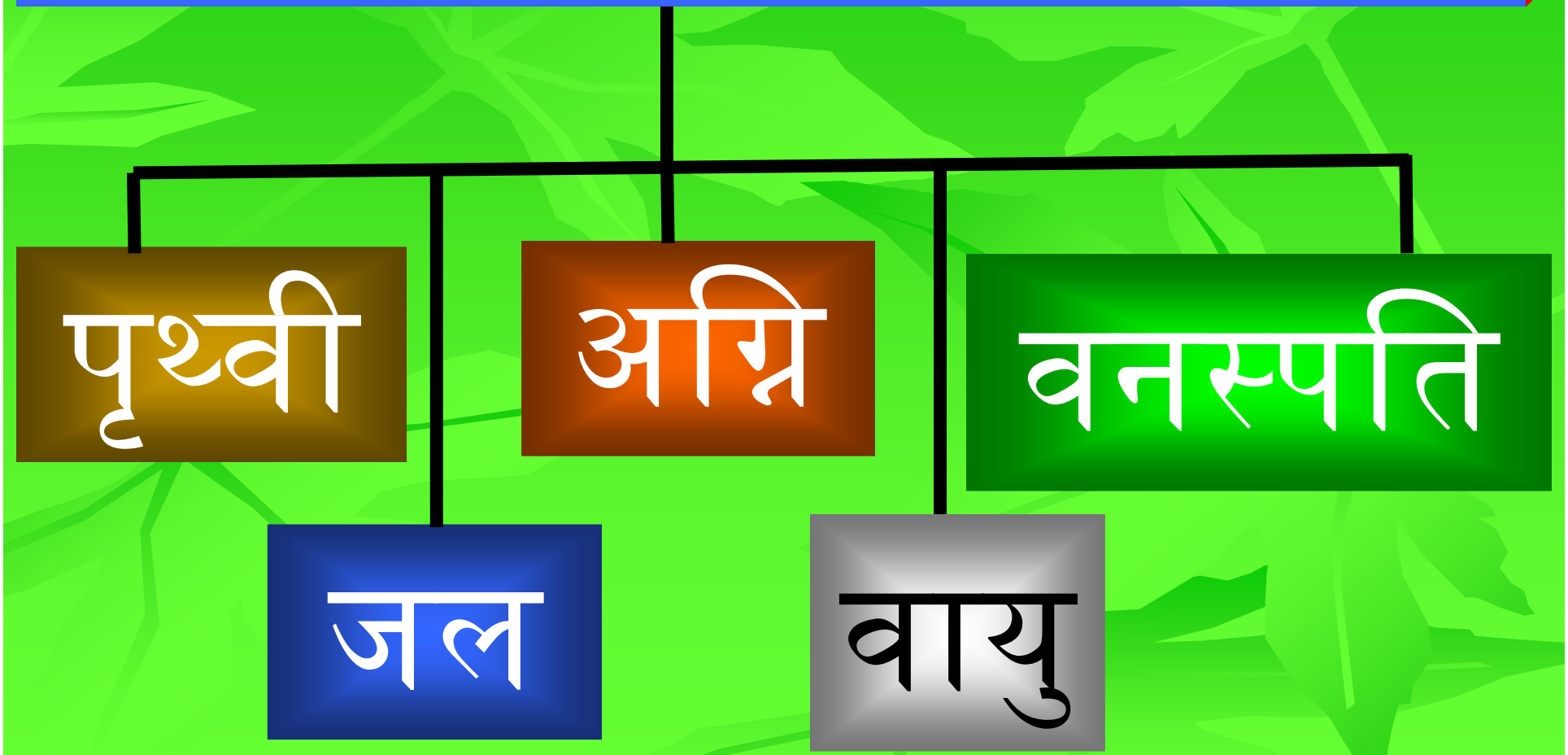

प्रस्तुतकर्ता - प्रकाश और पूजा छाबडा, इन्दौर

वनस्पति

प्रत्येक

एक शरीर
एक स्वामी

साधारण(निगोद)

एक शरीर
अनंत स्वामी

द्वीन्द्रिय जीव कौन-कौन हैं?

- लट
- शंख
- सीप
- केंचुआ
- जोंक आदि

त्रीन्द्रिय जीव कौन-कौन हैं?

- चींटी
- जू
- लींख
- खटमल
- बिच्छू आदि

चतुरिन्द्रिय जीव कौन-कौन हैं?

- मच्छर
- भौंरा
- मक्खी
- तितली
- डांस
- पतंगा आदि

पंचेन्द्रिय जीव कौन-कौन हैं?

- मनुष्य
- देव
- नारकी
- पशु पक्षी

अवगाहना- सबसे छोटी

एकेन्द्रिय	सूक्ष्म निगोदिया लब्धि अपर्याप्त
द्वीन्द्रिय	अनुन्धरी
त्रीन्द्रिय	कुन्थु
चौइन्द्रिय	काणमक्षिका
पंचेन्द्रिय	सिक्थक मत्स्य

अवगाहना- सबसे बडी

एकेन्द्रिय	कमल	साधिक १००० योजन
द्वीन्द्रिय	शंख	१२ योजन
त्रीन्द्रिय	चिंटी	३ कोस
चौइन्द्रिय	भ्रमर	४ कोस
पंचेन्द्रिय	महामत्स्य	१००० योजन

इन्द्रिय	विषय	आकृति
स्पर्शन	8प्रकार का स्पर्श	अनेक अनियत
रसना	5विध रस	खुरपा
घ्राण	द्विविध गंध	तिल पुष्प
चक्षु	पंच प्रकार रुप	मसूर अन्न
श्रोत्र	शब्द तथा 7 स्वर	यवनाली

इन्द्रिय

भावेन्द्रिय

↓

मतिज्ञानावरण कर्म

⋮

का क्षयोपशम

द्रव्येन्द्रिय

↓

शरीर नामकर्म

⋮

का उदय

इन्द्रियाँ किसमें निमित्त होती हैं ?

☸ विषय-भोगों में उलझाने में

☸तो इन्द्रियों के भोगों को छोड़ना चाहिए

☸इन्द्रिय ज्ञान को तो नहीं?

इन्द्रियाँ किसमें निमित्त होती हैं ?

- ज्ञान के काल में
- सर्फ पुद्गल (स्पर्शादि गुण) का ज्ञान कराने में

स्पर्श, रस, गंध और वर्ण तो पुद्गल के गुण हैं

आवाज व शब्द पुद्गल की पर्याय है

इन्द्रियाँ किसके जानने में निमित्त नहीं हैं?

- आत्मा के
- क्योंकि आत्मा अमूर्तिक है,
- स्पर्श, रस, गंध, वर्ण और आवाज शब्द से रहित है

अत: आत्मा को न जानने से इन्द्रिय ज्ञान भी तुच्छ है

हेय-उपादेय

हेय

- इन्द्रिय सुख (भोग)
- पर (पुद्गल) को जानने वाला इन्द्रिय ज्ञान

उपादेय

- अतीन्द्रिय आनन्द/सुख
- आत्मा को जानने वाला अतीन्द्रिय ज्ञान